



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 226]

No. 226]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 3, 2001/चैत्र 13, 1923

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 3, 2001/CHAITRA 13, 1923



गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 312(अ).—केन्द्रीय सरकार, जिसने रसियन फेडेरेशन की सरकार से आपराधिक मामलों के संबंध में रसियन फेडेरेशन में किसी व्यक्ति को समन या वारंट की तामील के लिए ठहरव कर रहे हैं दंड प्रक्रिया संहित, 1973 (1974 का 2^{वा} की धारा 105 की उपधारा 11) के लंड 11 के अनुसरा में निदेश देती है कि-

(क) किसी अधियुक्त व्यक्ति के नाम समन, या

(ख) किसी अधियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट, या

(ग) किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला ऐसा कोई समन कि वह हाजिर हो और कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करे अथवा उसे पेश करें, या

(घ) तलाशी वारंट

सक्षम दंड न्यायालय को, जिसे उस देश में प्रकृत विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, रसियन फेडेरेशन में केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से उस न्यायालय को दो प्रतियों में यह निदेश देते हुए जारी किया जाएगा कि वह ऐसे समन या वारंट की तामील उसमें नामित व्यक्ति पर करे।
2. केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट रसियन फेडेरेशन के प्राधिकारी को, भेजे जाने के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

[फा. सं. 2/8/2000-जुडि. मेल]

दुर्गादास गुप्ता, मंत्र्युक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 312(E).—Whereas arrangements have been made with the Government of the Russian Federation for service of summons or warrant, in relation to criminal matters, on any person in the Russian Federation and therefore the Central Government in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), hereby directs that

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a warrant for the arrest of an accused person, or
- (c) a summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it, or
- (d) a search warrant;

shall be issued by a Court in India, in duplicate, to the competent Criminal Court having authority, under the law in force in that country, through the Central Authority in the Russian Federation directing that Court to serve such summons or execute such warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such a summons or a warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Russian Federation.

[F. No 2/8/2000-Judl. Cell]

DURGADAS GUPTA, Jt. Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 313(अ).— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में रसियन फेडरेशन में सक्षम दंड न्यायालय को, जिसे उस देश में प्रकृत विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त हो, आपराधिक मामलों के संबंध में किसी अभियुक्त व्यक्ति के नाम समन या किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट, या किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला ऐसा कोई समन कि वह कोई वस्तावेज या अन्य चीज पेश करे अथवा हाजिर हो और उसे पेश करे, ऐसे न्यायालय के रूप में विनार्दिष्ट करती है जो आपराधिक मामलों के संबंध में भारत में निवास कर रहे व्यक्तियों को समन या वारंट जारी कर सकेगा।

2. केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऐसी दशा में जहां रसियन फेडरेशन से प्राप्त किसी समन या तलाशी वारंट की तामील हो चुकी है, वहां पेश की गई वस्तावेजों या चीजें या तलाशी के दौरान मिली चीजें समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को रसियन फेडरेशन में केन्द्रीय प्राधिकार को भेजने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजे जाएंगी।

[फा. सं. 2/8/2000-जुड़ि. संल]

दुर्गादाम गुरुता, मंयुक्त मन्त्री

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 313(E).— In pursuance of sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies the competent Criminal Court in the Russian Federation and having authority, under the law in force in that country, to issue a summons to an accused person, or a warrant for the arrest of an accused person, or summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it in relation to criminal matters, as the Court by which such summons or warrant may be issued to persons residing in India in relation to criminal matters.

2. The Central Government further directs that in a case where a summons or a search warrant received from the Russian Federation has been executed, the documents or things produced or things found in the search shall be forwarded to the Court issuing the summons or search warrant through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in the Russian Federation.

[F. No. 2/8/2000-Judl Cell]

DURGADAS GUPTA, Lt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 314(अ).—केन्द्रीय सरकार, वंड प्रक्रिया संहित, 1973 (1974 का 2) की धारा 105खंडकी उपधारा (1) के अनुसरण में यह निर्देश देती है कि भारत में के किसी न्यायालय को किसी व्यक्ति को हाजिर होने या कोई वस्तविज या अन्य चीज पेश करने के लिए गिरफ्तारी के लिए रीसयन फेडरेशन के किसी स्थान में निष्पादित किया जाने वाला वारंट इससे उपायद प्रस्तुप में जारी किया जाएगा और ऐसा वारंट वो प्रतियों में गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को रीसयन फेडरेशन में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेंट फैर जाने के लिए भेजा जाएगा।

प्रस्तुप

सक्षी को लाने के लिए वारंट

(धारा 105 खंड दीर्घप)

प्रेषिती

रीसयन फेडरेशन का सक्षम वंड न्यायालय
(केन्द्रीय प्राधिकारी रीसयन फेडरेशन के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह परिवाव किया गया है कि-----प्रपता के-----अभियुक्त का नाम और वर्णन-----ने-----अपराध का संक्षेप में उल्लेख कीजिए का अपराध किया है या सन्देह है कि उसने किया है, और यह संभावना प्रतीत होती है कि सक्षी का नाम और वर्णन उक्त परिवाव से संबंधित साक्ष्य दे सकता है; और यह प्रतीत होता है कि उक्त सक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है। और मेरे पास यह विश्वास करने का अच्छा और पर्याप्त कारण है कि वह तब तक हाजिर नहीं होगा या निम्नलिखित दस्तावेज या अन्य चीजें पेश नहीं करेगा जब तब कि उसे ऐसा करने के लिए विषय न किया जाए:

{ 1 }
 { 2 }
 { 3 }

{ }
 { }
 { }

यहां उन दस्तावेजों और चीजों की सूची दें जो पेश की जानी हैं।

मुझे-----को, यह अनुरोध करना है और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूं कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त सक्षी का नाम को गिरफ्तार कराएंगे और ऐसे व्यक्ति से उपर सूचीबद्ध दस्तावेज या चीज जो उसके कब्जे में है, पेश करने की अपेक्षा भी करेंगे तथा उस व्यक्ति को अभिरक्षा में लिए गए दस्तावेजों या चीजों सहित गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरे पास भेजेंगे।

तारीख-----को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन दिया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मनिस्ट्रेट

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 314(E).— In pursuance of sub-section (1) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a warrant from a Court in India for arrest of a person to attend or produce a document or other thing, to be executed in any place in the Russian Federation shall be issued in the form annexed hereto and that such warrant shall be sent in duplicate to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Russian Federation.

FORM

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

(See section 105B)

To

The Competent Criminal Court
of Russian Federation.

(Through the Central Authority, Russian Federation)

Whereas, complaint has been made before me that (name and description of the accused) or (address) has (or is suspected to have) committed an offence of (mention the offence concisely), and it appears likely that (name and description of witness) can give evidence concerning the said complaint, and whereas it appears that the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction. And whereas, I have good and sufficient

reason to believe that he will not attend or produce the following documents or other things unless compelled to do so :

- (i) Here give the list
- (ii) of documents or things to be
- (iii) produced.

I, -----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said (Name of the witness) to be arrested and also require such person to produce the document or thing listed above, which may be in his possession and to forward the person in custody alongwith the documents or things to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this----- day of -----200 .

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/8/2000-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jr. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 315(अ).—केन्द्रीय सरकार, वंड प्रैक्टिया संहिता, 1973 §1974 का 2॥ की थारा 105खकी उपधारा ॥2॥ के अनुसरण में, यह निवेश देती है कि किसी आपराधिक मामले में अन्वेषण या जांच के दौरान किसी व्यक्ति की हाजिरी के लिये रासयन फेडरेशन के किसी स्थान में सामील और निष्पादित किये जाने वाले, यथास्थिति, समन या वारंट, इससे उपाबद्ध, यथास्थिति, प्ररूप "क" या प्ररूप "ख" में जारी किये जायेंगे और ऐसे समन या वारंट रासयन फेडरेशन में केन्द्रीय प्राधिकारी को परेमित किये जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजे जायेंगे ।

प्ररूप "क"

साक्षी को समन

॥थारा 105खकी उपधारा ॥2॥ देखिए॥

प्रेषिती

मेरे समक्ष यह आवेदन किया गया है कि—
॥पता॥ के—
॥अधियुक्त का नाम॥ ने—
॥समय और स्थान॥ सहित अपराध को संक्षेप में लिखिए॥ का अपराध किया है ॥ यह संदेह है कि उसने किया है॥ और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभावना है कि आप अधियोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य देंगे या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करेंगे;

इसके दारा आपको समन किया जाता है कि ऐसा दस्तावेज या चीज पेश करने या उक्त आवेदन के विषय से सर्वाधित आप जो कुछ जानते हैं उसका साक्ष्य देने के लिए न्यायालय के समक्ष तारीख—
को पूर्वाह्न में ठीक दस बजे हाजिर हों और उसके पश्यात् न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं, और आपको इसके दारा चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उस तारीख को न्यायसंगत हेतुक के बिना हाजिर होने की उपेक्षा करेंगे या उससे झंकार करेंगे, तो आपको हाजिर कराने के लिए वारंट जारी किया जायेगा ।

हस्ताक्षर

तारीख—
॥न्यायालय की मुद्रा॥

प्ररूप "ख"

साक्षी का लाने का वारंट

॥थारा 105खकी उपधारा ॥2॥ देखिए॥

प्रियती

राजियन फेडरेशन का सक्रम दंड न्यायालय
[केन्द्रीय प्राधिकरी, राजियन फेडरेशन के माध्यम से]

मेरे समझ आवेदन किया गया है कि—

पता के—[अधियुक्त का नाम और वर्णन] ने—
समय और स्थान सहित अपराध को संक्षेप में लिखिया है कि सक्री का नाम और वर्णन है और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभालना है कि सक्री का नाम और वर्णन है अधियोजन के लिए तकनीक सम्बन्ध देगा या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करेगा, और उक्त सक्री आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है, और मेरे पास विश्वास करने का अच्छा और पर्याप्त कारण है कि वह उक्त मामले के अन्वेषण या जांच में तब तक हाजिर नहीं होगा जब तक कि उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाये;

मुझे—को, यह अनुरोध करना है, और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूँ कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त [व्यक्ति का नाम] को गिरफ्तार करेंगे और उसे गृह मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरे पास अधिकार में भेजेंगे।

तारीख—को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन दिया गया।

न्यायालय की मुद्रा।

न्यायाधीश/मणिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/8/2000-जुड़ि. सेल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 315(E).— In pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that summons or warrant, as the case may be, for attendance of a person during the investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in the Russian Federation shall be issued in the forms A or B annexed hereto, as the case may be, and such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Russian Federation.

Form A

Summons to witness

[see sub-section (2) of Section 105B]

To

Whereas, application has been made before me that

(Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

You are hereby summoned to appear before the Court on the -----day of -----next at 10 O'clock in the forenoon to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that if you shall without just cause neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.

Dated, this-----day of
-----200

Seal of the Court

Signature

Form - B

Warrant to bring up a witness

[see sub-section (2) of Section 105B]

To

The Competent Criminal Court of Russian Federation.
(Through the Central Authority, Russian Federation)
Whereas, application has been made before me
that ----- (name and description of the
accused)----- of (address) has (or is suspected to
have) committed an offence of ----- (state the
offence concisely with time and place) and it appears to
me that ----- (name and description of witness)
is likely to give material evidence or to produce any
document or other thing for the prosecution; and whereas,
the said witness is residing within the local limits of
your jurisdiction; and whereas, I have good and sufficient
reason to believe that he will not attend the
investigation or inquiry of the said case unless compelled
to do so;

I, -----, have the honour to request and
hereby do request that for the reasons aforesaid and for
the assistance of the said Court, you will be pleased to
cause the said ----- (name of person) to be
arrested and to forward him in custody to the undersigned,
through the Ministry of Home Affairs, Government of India,
New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court
this-----day of -----200 .

Seal of the Court

Judge/Magistrate
(F. No. 2/8/2000-Judl. Cell)
DURGADAS GUPTA, Jt Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 316(अ).—केन्द्रीय सरकार, जिसने रासियन फेडरेशन की सरकार से भारत के न्यायालयों में आपशेषिक मामलों के संबंध में रासियन फेडरेशन में निवास करने वाले सक्रियों को सहाय लेने के लिए ठहराय कर रहे हैं, वंड प्रक्रिया सीडिता, 1973। 1974 का 2। की धारा 285 की उपधारा ॥३॥ के अनुसर स्थान में निवेश वेती है कि [क] रासियन फेडरेशन में सक्रियों की परीक्षा के लिए कमीशन इससे उपायद प्रस्तुप में भारत के न्यायालयों द्वारा रासियन फेडरेशन के किसी सक्रम वंड न्यायालय को, जिसे रासियन फेडरेशन में प्रकृत विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा ॥४॥ ऐसा कमीशन रासियन फेडरेशन में केन्द्रीय प्राधिकारी को भेजे जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

न्यायालय

भारत से बाहर सक्रियों की परीक्षा के लिए कमीशन ॥वंड प्रक्रिया सीडिता 1973 की धारा 285 ॥३॥ दीखिए॥

प्रेषिती

गृह मंत्रालय

भारत सरकार के माध्यम से

मुझे यह प्रतीत होता है कि मामला संस्था—वर्गमाम—न्यायालय—में—का सहाय अधिकारीका है और ऐसा सक्रीय आवश्यक है और ऐसा अनुचित विलंब, व्यव या असुविधा के बिना नहीं कराई जा सकती है, मैं—आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए उक्त सक्रीय को समय और स्थान पर, जो आप नियत करें, छांगिर होने के लिए समर्पित कर और ऐसे सक्रीय की परीक्षा उन परीक्षणों ॥मौखिक परीक्षा के लिए॥ के आधार पर करवाएं जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं।

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष कांउसेल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है, तो स्वयं छांगिर हो सकेगा और ॥यथास्थिति॥ उक्त सक्रीय की परीक्षा, पुनःपरीक्षा कर सकेगा।

और मैं आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप उक्त सक्रीय के उत्तर लिखाएं और सभी बीहों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को, जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, पहलान के लिए सम्यक रूप से विनियत कराएं और आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा ॥यदि कोई हो॥ और अपने छस्ताकार द्वारा अधिप्रमाणित करें उसे इस कमीशन के साथ अदोहस्ताकारी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजें।

तारीख—

मेरे हस्ताकार और न्यायालय की मुद्राधीनप्रदत्त।

न्यायाधीश/मणिस्टेट
[फा. सं. 2/8/2000-जुडि. सेल]
दुर्गादास गुप्ता, संशुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 316(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Russian Federation for taking the evidence of witnesses residing in the Russian Federation in relation to criminal matters in Courts in India, the Central Government in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) hereby directs that (a) Commission for examination of witnesses in Russian Federation shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent Criminal Court of the Russian Federation having authority under the law in force in the Russian Federation; (b) such Commission shall be sent to the Ministry Home of Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in the Russian Federation.

In the Court of -----

Commission to examine witness outside India [section 285(3) of the Code of Criminal Procedure, 1973].

To

Through the Ministry of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.

Whereas, it appears to me that the evidence of ----- is necessary for the ends of justice in case No.-----vs-----in the Court of ----- and that such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his attendance cannot be procured without unreasonable delay, expense or inconvenience, I, -----, have the honour to request and do hereby

request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this Commission (for *viva voce*).

Any party to the proceeding may appear before you by his counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness.

And, I further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and by your signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court
this -----day of-----200 .

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/8/2000-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का.आ. 317(अ).—केन्द्रीय सरकार, वंड प्रक्रिया संहिता, 1973 §1974 का 2॥ की धारा 105 ठ दारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि रासयन फेहरेशन के संबंध में वंड प्रक्रिया संहिता 1973 §1974 का 2॥ के अध्याय 7क के उपर्युक्त विना किसी शर्त, अपवाह या गर्हता के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगे।

[फा. सं. 2/8/2000-जुड़ि. सेल]
दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 317(E).— In exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the Code of Criminal Procedure, 1973 shall apply without any condition, execution or qualification in relation to the Russian Federation with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. 2/8/2000-Judl. Cell]

DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2001

का. आ. 318(अ).— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया सीहता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के दंड [म] के अनुसार में, रासयन फेडरेशन के ऐसे सभी समाज दंड न्यायालयों को, जिनके पास रासयन फेडरेशन में प्रदृष्ट विधि के अधीन प्राधिकार हैं, ऐसे न्यायालय अनिवार्य करती है जिनके द्वारा भारत में नियास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा. सं. 2/8/2000-जुडि. सेल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 2001

S.O. 318(E).— In pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all competent Criminal Courts of the Russian Federation having authority, under the law in force in the Russian Federation as the Courts by whom Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F. No. 2/8/2000-Judl. Cell]

DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.